

माननीय केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री नरेंद्र सिंह तोमर, कृषि राज्य मंत्री, श्री परषोत्तम रूपाला और श्री कैलाश चौधरी द्वारा, भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (पूसा), नई दिल्ली के फार्म का भ्रमण (01-01-2021)

माननीय केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री, श्री नरेंद्र सिंह तोमर, कृषि राज्य मंत्री, श्री परषोत्तम रूपाला और श्री कैलाश चौधरी ने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के महानिदेशक, डॉ. त्रिलोचन महापात्र और डॉ. अशोक कुमार सिंह, निदेशक भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (पूसा), नई दिल्ली और भा. कृ. अनु. प. के अन्य गणमान्य अधिकारियों के साथ 1 जनवरी, 2021 को भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (पूसा संस्थान) के फार्म का दौरा किया तथा अनुसंधान के कार्यक्रमों को देखा। भ्रमण के दौरान गेहूँ, चना, सरसों की उन्नत किस्में, सब्जियों की जैविक खेती, समन्वित कृषि प्रणाली मॉडल एवं संरक्षित खेती संबंधी तकनीकियों में गहरी रुचि दिखाई। डॉ. राजबीर यादव, प्रधान वैज्ञानिक एवं गेहूं सुधार परियोजना संचालक ने माननीय मंत्रीगणों को अगेती बुवाई एवं उच्चतम पैदावार के लिए संस्थान द्वारा किये जा रहे शोध एवं तकनीकी से अवगत कराया। महानिदेशक भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् एवं सचिव डेयर, डॉ. त्रिलोचन महापात्र ने आठ टन प्रति हैक्टर उपज देने वाली किस्में विकसित करने का जो लक्ष्य को वैज्ञानिकों के सामने रखा था आज उनकी मौजूदगी में संस्थान में दोहराया और इस शृंखला में प्रमुख बीमारियों के लिए रोगरोधी एवं उच्च प्रोटीन गुणवत्ता वाली किस्म एच.डी. 3226 (पूसा यशस्वी) की सराहना की और बताया कि भारत में गेहूं की प्रतिदिन उत्पादन क्षमता अन्य विकसित यूरोपियन देशों से अधिक है। डॉ. अशोक कुमार सिंह, निदेशक, भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान ने बताया कि गेहूं तथा धान को मिलाकर कुल उत्पादन क्षमता लगभग 15 टन प्रति हैक्टर है जो कि यूरोपियन देशों से भी अधिक है।

डॉ. डी. के यादव, परियोजना प्रमुख ने बताया कि पूसा संस्थान, नई दिल्ली, सरसों की कम अवधि में पकने वाली एवं तेल एवं खली कि उच्च गुणवत्ता वाली किस्मों के विकास के लिए एक अग्रणी संस्थान है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2020 के दौरान, कम इरूसिक अम्ल वाली एक नई किस्म पूसा सरसों-32 को व्यावसायिक खेती के लिए अनुशंसित किया गया है। इस संस्थान ने पूसा अग्रणी, पूसा महक, पूसा सरसों 25, पूसा सरसों 27 और पूसा सरसों 28 जैसी कई अल्पावधि किस्में विकसित की हैं। इन किस्मों को परिपक्व होने में लगभग 100-120 दिन लगते हैं और यह किस्में बहु फ़सलीय प्रणाली के लिए उपयुक्त हैं।

संस्थान द्वारा विकसित चने की उन्नत किस्मों का अवलोकन करते हुए पूसा संस्थान में नई विमोचित फ्यूजेरियम उकठा रोग प्रतिरोधी किस्म पूसा पार्वती (बी.जी. 3062) जो मशीनी कटाई के लिए भी उपयुक्त है

को देखा । आण्विक प्रजनन द्वारा विकसित चने की सूखा सहनशील किस्म पूसा चना 10216, उकठा रोगी प्रतिरोधी किस्म पूसा चना 20211 उत्तर पूर्वी भारत के लिए विकसित किस्म पूसा 3043 तथा उत्तर पश्चिमी मैदानी क्षेत्रों के लिए विकसित बड़े दाने वाली काबुली किस्म पूसा 3022 को देखा तथा पूसा संस्थान के द्वारा चने में किये जा रहे अनुसन्धान कार्यों की प्रशंसा की ।

माननीय मंत्री जी ने सीमांत कृषको की आय एवं पोषण सुरक्षा को बढ़ाने के लिए 1.0 एकड़ क्षेत्रफल का समन्वित कृषि प्रणाली मॉडल का भ्रमण किया और डॉ. विनोद कुमार सिंह, संयुक्त निदेशक प्रसार ने बताया कि कृषि के अनेक उपकरणों के समन्वित उपयोग से टिकाऊ फसल उत्पादन एवं अधिक लाभ प्राप्त होता है। साथ ही साथ इस मॉडल के तहत प्रमुख उद्यम जैसे पोलीहाउस में सब्जियों की खेती, मशरूम उत्पादन, कृषि बागवानी करने से एक वर्ष की अवधि में शुद्ध लाभ 1.66लाख रुपये होता है।

माननीय श्री नरेंद्र सिंह तोमर, श्री कैलाश चौधरी एवं श्री परोषत्तम रुपाला द्वारा शाकिय विज्ञान संभाग की सब्जी विज्ञान एवं प्रदर्शन इकाई पर जैविक सब्जी उत्पादन पर किये जा रहे कार्य का अवलोकन किया गया तथा जैविक सब्जी उत्पादन से सम्बन्धित पहलुओं पर चर्चा की । शाकिय फसलों की उन्नत किस्मों एवं बीज उत्पादन गतविधियों का जायजा लिया। भ्रमण के दौरान महानिदेशक डॉ. टी.महापात्रा द्वारा पोषण सुरक्षा के बारे में माननीय मंत्री जी को सब्जी गृह वाटिका के मॉडल की चर्चा की तथा गृह वाटिका प्रदर्शन का अवलोकन भी माननीय मंत्री द्वारा किया गया।

डॉ. इंद्र मणि ने प्रतिष्ठित किसानों को खेती की आय और रोजगार सृजन को दोगुना करने में उच्च तकनीक नर्सरी के महत्व के बारे में बताया। गणमान्य व्यक्तियों ने नर्सरी में बागवानी पौधे की स्वस्थ नर्सरी को देखा। निदेशक भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान और प्रभारी सीपीसीटी द्वारा गणमान्य लोगों को संरक्षित खेती तकनीक से संबंधित सभी तथ्यों से अवगत कराया गया।

भ्रमण के अंत में माननीय नरेंद्र सिंह तोमर जी ने विभिन्न संभागों द्वारा किये जा रहे कार्यों पर संतोष व्यक्त किया एवं प्रदर्शन कार्यों की सराहना की ।